

मिट्टि मिट्टी में मिलती है जिस पल

मिट्टि मिट्टी में मिलती है जिस पल,
रुब से मिलती मेरी रूह उस पल,
है बना जो भवन मेरे वास्ते,
वहाँ होंगे ना गम इस जहाँ के,
स्वर्ग में... संग येशु के॥

कठिनाई में दी तस्सली मुझे,
दिल के करीब उसने रखा मुझे,
छाया ढके, मेरे रास्ते,
शम्मा को भुजने न दिया उसने,
इस जग में रहेंगे ना अब दिन अँधेरे,
अपनी इनायत से जोड़ा मुझे, मिलाया मुझे,
मिट्टि मिट्टी में मिलती है.....

इक रोज़ वो बड़े प्रेम से,
सौँपा रेहम से वचनों को मुझे,
बहा जो लहू, उस क्रूस पे,
भरता है ऐसी आशा से मुझे,
अब मेरी ज़िन्दगी संग तेरे ही मसीह,
करता हूँ इस जग से मैं अल्विदा, मैं अल्विदा,
मिट्टि मिट्टी में मिलती है.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25396/title/mitti-mitti-me-milti-hai-jis-pal>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |